विश्व न्याय मंदिर

रिज़वान 2022

विश्व के बहाइयों को

परम प्रिय मित्रों

तैयारी और चिंतन के साथ-साथ अत्यंत परिश्रम का एक वर्ष समाप्त हो गया, जो अब्दुल-बहा के स्वर्गारोहण के शताब्दी वर्ष को रेखांकित करने के लिए विश्व भर के मित्रों के प्रयासों के लिए विशिष्ट है, जिसमें उनको सम्मान देने के लिए आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनिधियों को पवित्र भूमि में भेजना शामिल है। इन प्रयासों के माध्यम से अब्दुल-बहा के जीवन द्वारा दी जाने वाली प्रेरणा को न केवल बहाईयों ने, बल्कि अनगिनत आत्माओं ने अनुभव किया है। मानव परिवार के प्रत्येक सदस्य के प्रति उनकी चिंता, उनका शिक्षण कार्य, शिक्षा और समाज की बेहतरी के लिए उपक्रमों को दिया गया बढ़ावा, पूर्व और पश्चिम दोनों ही के संवादों में उनका गहन योगदान, उपासना स्थल निर्माण परियोजनाओं हेतु उनका हार्दिक प्रोत्साहन, उनके द्वारा बहाई प्रशासन के प्रारम्भिक रूप को दिया गया आकार, सामुदायिक जीवन के विभिन्न पहलुओं का संवर्धन — यह सभी उनके जीवन के पूरक पक्ष ईश्वर की सेवा और मानवता की सेवा के प्रति उनके सतत और पूर्ण समर्पण का प्रतिबिंब थे। नैतिक अधिकार की एक बड़ी हस्ती और श्रेष्ठ आध्यात्मिक अंतर्दृष्टिधारक होने के साथ-साथ, अब्दुल-बहा एक शुद्ध माध्यम थे जिसके द्वारा बहाउल्लाह के प्रकटीकरण से निर्मुक्त शक्तियां पूर्ण विश्व पर कार्य कर सकती थीं। प्रभुधर्म की समाज-निर्माण शक्तियों को समझने के लिए, किसी को 'अब्दुल-बहा' के मंत्रित्वकाल में प्राप्त उपलब्धियों और उनकी कलम से अविरत प्रवाहित मार्गदर्शन के रूपांतरकारी प्रभाव से आगे देखने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान बहाई समुदाय द्वारा किए गए अनेक अद्भुत विकास-जिनका पिछले रिजवान में आपको भेजे गए हमारे संदेश में सर्वेक्षण किया गया था—अपनी उत्पत्ति अब्दुल-बहा के कार्यों, निर्णयों और निर्देशों में पाते हैं।

कितना उपयुक्त ही होगा कि बहाई समुदाय अपने परिपूर्ण उदाहर्ता को दी जा रही सामूहिक श्रद्धांजलि को एक वृहद उपक्रम के प्रारंभ की प्रस्तावना बनाये, जो प्रभुधर्म की सतत महानतर परिमात्रा में निर्मुक्त होती समाज निर्माण शक्ति पर केंद्रित है। प्रयास के वे क्षेत्र, जो नौ वर्षीय योजना और योजनाओं की वर्तमान श्रृंखला के दायरे में आते हैं, इस व्यापक उद्देश्य की पूर्ति के लिए निर्दिष्ट हैं। यह, इस महान आध्यात्मिक उद्यम के शुभारंभ को चिह्नित करते हुए विश्व भर में आयोजित किए जाने वाले 10000 से अधिक सम्मेलनों का केंद्र-बिन्दु भी है। अभूतपूर्व संख्या में प्रतिभागियों के स्वागत के लिए अपेक्षित, ये सम्मेलन एक साथ न केवल बहाई बल्कि मानवता के कई अन्य शुभचिंतकों को भी साथ ला रहे हैं, जो उनके साथ एकता को बढ़ावा देने और दुनिया को बेहतर बनाने की लालसा साझा करते हैं। उनका दृढ़ संकल्प और उद्देश्य की मजबूत भावना अभी तक आयोजित सम्मेलनों में उत्पन्न चेतना में परिलक्षित हो रहे हैं, जहाँ प्रतिभागियों को उनके द्वारा किए गए गत्यात्मक परामर्शों में दिए योगदान ने भी उतना ही उत्साहित किया है जितना कि इन आनंदमय आयोजनों में खोजी गई सामूहिक दृष्टि ने। हम उत्सुक प्रत्याशा से देख रहे हैं कि आने वाले महीने और वर्ष क्या ले कर आएंगे।

सलाहकारों के सम्मेलन को संबोधित हमारे 30 दिसंबर 2021 के संदेश के बाद से ही राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाएँ तथा क्षेत्रीय बहाई परिषदें नौ वर्षीय योजना के दौरान उनके अधिकार क्षेत्र वाले क्लस्टरों में विकास प्रक्रिया को सघन करने की संभावनाओं का गंभीरता से आकलन कर रही हैं। हमें लगता है कि समय के साथ हुई प्रगति का आकलन करने के उद्देश्य से यह मददगार होगा कि योजना की प्रगति को चार और पांच साल की अवधि के दो चरणों में अनावृत होते देखें, और पहले रिजवान 2026 और उसके बाद रिजवान 2031 तक अपने समुदायों की संभावित प्रगति पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय सभाओं को आमंत्रित किया गया। इस अभ्यास में क्लस्टर सीमाओं का पुनर्मूल्यांकन भी शामिल था, और इन समायोजनों का परिणाम यह है कि विश्व में क्लस्टरों की कुल संख्या में एक चौथाई की वृद्धि हुई है और अब यह 22,000 से अधिक हो गई है। प्राप्त पूर्वानुमानों के आधार पर, इस आकलन पर पहुँचा गया है कि योजना के अंत तक, इनमें से लगभग 14,000 क्लस्टरों में विकास कार्यक्रम का कुछ स्तर आकार ले चुका होगा। यह अनुमान है कि इसी समयावधि में, इनमें से ऐसे क्लस्टरों की संख्या, जहां विकास को सघन माना जा सकता है, बढ़ कर 11000 हो जाएगी। अनुमान लगाया जाता है कि इन क्लस्टरों में से उनकी संख्या, जहां तीसरा मील का पत्थर पार कर लिया गया होगा, 2031 तक 5,000 से अधिक हो चुकी होगी। इस पर प्रश्न नहीं किया जा सकता कि इस प्रकार की प्रगति प्राप्त करने के लिए योजना की पूरी अवधि में प्रचंड प्रयास करना होगा। फिर भी हम पाते हैं कि ये प्रयास करने योग्य सुमंगल आकांक्षाएं हैं, क्योंकि ये उसका प्रतिनिधित्व करती हैं जो महत्वाकांक्षी तो है पर एक गंभीर आकलन भी है, जो पहुँच के भीतर है।

यही वास्तविकता है। ऐसे उद्देश्यों पर वास्तविक रूप से विचार भी नहीं किया जा सकता था यदि प्रशासनिक संस्थाएं और एजेंसियां उल्लेखनीय रूप से विकसित नहीं हुई होतीं, जो एक विशाल और बढ़ती संख्या में सादृश्य आत्माओं को गले लगाते हुए, अत्यंत तीव्रता से गतिविधियों को गुणित करती समुदाय के मामलों का प्रबंधन करने की बढ़ी हुई क्षमता से संपन्न हैं। इस तरह के विकास की आकांक्षा संभव नहीं होती, अगर एक सीखने की अभिलाषा – कार्य करना, समीक्षा करना, अंतर्दृष्टियों को सहेजना और अन्यत्र उभरने वाली अंतर्दृष्टि को आत्मसात करना - सभी स्तरों पर, समुदाय के जमीनी स्तर तक, पोषित नहीं की गई होती। और, यदि शिक्षण कार्य एवं मानव संसाधन विकास के लिए एक नियमित तरीका बहाई विश्व में बढ़ते रूप में प्रकट नहीं होता, तो इस तरह के आकलनों के लिए आवश्यक प्रयास शायद ही संभव होते। इन सभी ने बहाई समुदाय की अपनी पहचान और उद्देश्य के बारे में जागरूकता विकसित की है। समुदाय निर्माण की प्रक्रिया में वाह्यमुखी होने का संकल्प अनेकानेक स्थानों पर पहले से ही संस्कृति के पहलू के रूप में स्थापित हो चुका था; अब यह, स्वयं बहाई समुदाय की सदस्यता से कहीं परे, बढ़ती संख्या में समुदायों की आध्यात्मिक और भौतिक प्रगति के लिए समाज के भीतर बड़े-बड़े समूहों की वास्तविक जिम्मेदारी की भावना में पुष्पित हो चुका है। समुदायों के निर्माण में, मित्रों के प्रयास, सामाजिक कार्यों में संलग्न होने और समाज के प्रचलित परिसंवादों में योगदान देने के लिए, एक वैश्विक उद्यम में संयुक्त हो गए हैं, जो कार्य करने के साझा ढांचे से बंधे, और मानवता को अपने मामलों को आध्यात्मिक सिद्धांतों की नींव पर स्थापित करने में मदद करने पर केंद्रित हैं। प्रशासनिक व्यवस्था के उद्घाटन के सौ वर्ष बाद हमारे द्वारा वर्णित विकासों के इस बिंदु पर पहुंचने के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता। पिछले दो दशकों में हुई क्षमता में असाधारण वृद्धि ने - और जिसने बहाई

विश्व को अपने प्रयासों को प्रभुधर्म की समाज-निर्माण शक्ति की निर्मुक्ति के संदर्भ में देखना संभव बना दिया है - हम अकाट्य प्रमाण देखते हैं कि प्रभुधर्म अपने रचनात्मक काल के छठे कालखंड में प्रवेश कर चुका है। पिछले रिजवान में हमने घोषणा की थी कि प्रभुधर्म से प्रभावित होकर, बहाई गतिविधियों में बड़ी संख्या में सहभागिता करने की परिघटना से, और अपने समुदायों की सेवा करने के लिए कौशल और क्षमताओं को प्राप्त करने से संकेत मिलता है कि मास्टर की दिव्य योजना का तीसरा कालखंड प्रारंभ हो गया है; इस प्रकार, एक वर्षीय योजना का तब शुभारंभ और अब समापन निष्ठावानों की मंडली द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक विकास के एक समुच्चय को चिन्हित करता है। और एक नए, शक्तिशाली उपक्रम की दहलीज पर, अनुयायियों का यह संयुक्त निकाय अपने सामने व्यापक रूप से खुली हुई संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

अब समाप्त हो रहे कालखंड की एक प्रमुख विशिष्टता थी अंतिम महाद्वीपीय उपासना गृह का निर्माण और राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर उपासना गृहों की स्थापना के लिए परियोजनाओं का प्रारंभ। मशरिकुल-अजकार की अवधारणा तथा इसके द्वारा उपासना एवं सेवा को मूर्तरूप देने के संबंध में विश्व भर में बहाईयों ने बहुत कुछ सीखा है। रचनात्मक युग के छठे कालखंड के दौरान, उस मार्ग के बारे में और भी बहुत कुछ सीखा जाएगा जो कि एक समुदाय के फलते-फूलते भक्तिमय जीवन के भीतर विकास से प्रारंभ हो – और सेवा को प्रेरणा देता हुआ – मशरिकुल-अजकार के प्रकट होने तक जाता है। अनेक राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं से विचार-विमर्श प्रारंभ हो रहे हैं, और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, हम समय-समय पर उन स्थानों की घोषणा करेंगे जहां आगामी वर्षों में बहाई उपासना गृहों का निर्माण होगा।

महानतम नाम के समुदाय को सतत सशक्त होते हुए देखकर हमारा आनंद, विश्व की परिस्थितियों और संघर्षों की निरंतरता को देखकर जो दुख और हताश पीड़ा पैदा करते हैं - विशेषकर विनाशकारी ताकतों की पुनरावृत्ति को देखते हुए, जिन्होंने जनसमुदाय पर भयावहता का तांडव करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मामलों को अव्यवस्थित कर दिया है, हमारे गहन दु:ख से मंद पड़ जाता है। हम भली-भांति जानते हैं और आश्वस्त हैं कि, जैसा बहाई समुदायों ने बार-बार अलग-अलग संदर्भों में प्रदर्शित किया है कि उनकी खुद की परिस्थितियाँ कितनी भी विकट क्यों न हों, बहाउल्लाह के अनुयायी अपने आसपास के लोगों को राहत और समर्थन के लिए प्रतिबद्ध हैं। किन्तु जब तक पूरी मानवता न्याय और सत्य की नींव पर अपने मामलों को स्थापित करने का उपक्रम नहीं करती, अफसोस है कि यह एक संकट से दूसरे संकट में डगमगाने के लिए नियत है। हम प्रार्थना करते हैं कि, यदि यूरोप में हाल ही में प्रारंभ युद्ध के प्रकोप को भविष्य के लिए कोई सबक देना है, अगर इसे सही और बनी रहने वाली शांति प्राप्त करनी है, तो यह वह राह चुनने के तत्काल अनुस्मारक के रूप में कार्य करेगा जो विश्व को अवश्य ही चुननी चाहिए। बहाउल्लाह द्वारा अपने समय के सम्राटों और राष्ट्राध्यक्षों को प्रतिपादित सिद्धांतों, और जिन भारी उत्तरदायित्वों को उन्होंने अतीत और वर्तमान के शासकों को सौंपा, वे तब की तुलना में, जब वे पहली बार उनकी कलम द्वारा लिखे गए थे, आज शायद और भी अधिक प्रासंगिक और अनिवार्य हैं। बहाईयों के लिए, ईश्वर की वृहद योजना का अटल विकास — जो अपने साथ परीक्षाएं व उथल-पुथल लाता है, लेकिन अन्तत: न्याय, शान्ति और एकता की ओर मानवता को प्रेरित करता है — वह संदर्भ है जिसके अंतर्गत ईश्वर की लघु योजना, जिसमें मुख्य रूप से अनुयायी व्यस्त हैं, अनावृत होती है।

वर्तमान समाज की निष्क्रिय स्थिति प्रभुधर्म की समाज-निर्माण शक्ति को निर्मुक्त करने की जरूरत को अत्यंत स्पष्ट तथा अत्यावश्यक बना देती है। हम अभी के लिए और कुछ नहीं बल्कि, पूरे विश्व को पीड़ित करते विप्लव तथा उथल पुथल ही देख पाते हैं। आप निस्संदेह तब सराहना करेंगे, कि ईश्वर की सभी संतानों को किंकर्तव्यविमूढ़ता तथा कड़वी मुश्किलों से मुक्त करने की हमारी प्रत्येक गंभीर याचना के साथ जुड़ी हैं, हमारी उतनी ही हृदयग्राही प्रार्थनाएँ जो शांति के युवराज के धर्म को आपके द्वारा प्रदान की जा रही अति आवश्यक सेवाओं की सफलता के लिए अर्पित की जाती हैं।

प्रत्येक क्लस्टर में जहां योजना की गतिविधियां गति पकड़ रही हैं, हम 30 दिसंबर 2021 के संदेश में हमारे द्वारा वर्णित उच्च विशेषताओं वाले समुदायों का विकास देखते हैं। जैसे-जैसे समाज विभिन्न प्रकार के तनावों का अनुभव करता है, आभा सौन्दर्य के अनुयायी अपने लचीलेपन और तार्किकता, अपने आचरण के स्तर और नियमपालनता, एकता की खोज में करुणा, अनासक्ति और धैर्यता के गुणों के प्रदर्शन के लिए ही अधिक से अधिक अलग दिखने चाहिए। अत्यंत कठिनाई के समय में अनुयायियों द्वारा बार-बार, दर्शायी गई विशिष्टताओं और अभिवृत्तियों ने लोगों को स्पष्टीकरण, सलाह और समर्थन के लिए बहाईयों की ओर मुड़ने के लिए प्रेरित किया है विशेषकर तब, जब एक समाज का जीवन संकट और अप्रत्याशित व्यवधानों से अस्त-व्यस्त होता है। इन टिप्पणियों को साझा करते हुए, हमें इस बात का ध्यान है कि स्वयं बहाई समुदाय भी विश्व में काम कर रही विघटनकारी शक्तियों के प्रभावों का अनुभव करता है। इसके अतिरिक्त, हम सजग हैं कि मित्र जितना अधिक ईश्वर के शब्दों को बढ़ावा देने के प्रयास करेंगे, वे, तत्काल या बाद में, विभिन्न दिशाओं से उतनी ही अधिक विरोधी शक्तियों का सामना करेंगे। उन्हें अपने मन-मस्तिष्क और आत्मा को अवश्यंभावी परीक्षाओं के विरुद्ध सशक्त करना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि ये उनके प्रयासों की अखंडता को क्षीण कर दें। परंतु अनुयायियों को भली-भांति पता है कि आगे जो भी तूफान हैं, प्रभुधर्म की नौका उन सभी के लिए पर्याप्त है। अपनी यात्रा के क्रमिक चरणों के दौरान इसने झंझावातों का सामना और लहरों की सवारी की है। अब यह एक नए क्षितिज की ओर जा रही है। सर्वशक्तिमान की संपुष्टियां, वह वायु है जो इसके पाल को भरती है और इसको गंतव्य की ओर बढ़ाती है। और संविदा उसका पथप्रदर्शक सितारा है, जो इस पवित्र यान को इसके निश्चित तथा स्पष्ट मार्ग पर बनाए रखता है। स्वर्ग के निवासियों का आशीर्वाद इसके सभी यात्रियों पर विराजे।

विश्व न्याय मंदिर